Relief of N.A.

PAGE
DATE

उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के विशाल भू भाग पर विभिन्न प्रकार की भू आकृतिक रचनाएं देखने को मिलती हैं। यहाँ की धरातलीय बनावट पर भूगर्भिक संरचना का अत्यधिक प्रभाव पड़ा है। यही कारण है कि N.A के संरचनात्मक तथा भूआकृतिक प्रदेश काफी मिलते जुलते हैं। साधारणतः समूचे N.A. महाद्वीप को 6 भूआकृतिक विभागों में बाँटा जा सकता है:-

1. तटीय मैदान एवं पठार　2. अप्लेशियन पर्वत
3. कनेडियन शील्ड　4. वृहत मैदान
5. कार्डिलेरा　6. एन्टीलियन पर्वत

1. तटीय मैदान एवं पठार →

अप्लेशियन पर्वत व अटलांटिक महासागर के बीच तटीय मैदान का विस्तार है। न्यूयार्क से लेकर कीवेस्ट तक तथा मैक्सिको की खाड़ी से वेराक्रुज तक एक निम्न मैदान है जो उत्तर से दक्षिण की ओर चौड़ी होती जाती है। न्यूजर्सी के पास इस मैदान की चौड़ाई 48-80 Km तक है जबकि दक्षिण में जार्जिया व फ्लोरिडा में यह 160 Km चौड़ी है। इसका सर्वाधिक विस्तार मिसीसिपी नदी के मुहाने पर है। इस तटवर्ती मैदान का ढाल अगर कुछ अपवादों को छोड़ दिया जाए तो मंद व समुद्रोन्मुखी है। इसमें दलदली भाग की अधिकता है। इसकी मिट्टी में समुद्री जीवों के अवशेष पाये जाने से यह पता चलता है कि कभी यह महाद्वीपीय निमग्न तट था। संपूर्ण तटीय मैदान को 4 भागों में बाँटा गया है:-

(i) अटलांटिक तटीय मैदान　(ii) फ्लोरिडा प्रायद्वीप
(iii) खाड़ी तटीय मैदान　(iv) युकाटन निम्न भूमि

(i) अटलांटिक तटीय मैदान → उत्तर में कॉड अन्तरीप से फ्लोरिडा प्रायद्वीप तक विस्तृत है। इसमें कई छोटी खाड़ियाँ व समुद्री द्वीप सम्मिलित हैं। यहाँ कई समुद्री मृदु तटिका, रेतिका आदि पाये जाते हैं।

Scanned with CamScanner

(ii) फ्लोरिडा प्रायद्वीप → यह प्रायद्वीप मायोसीन [illegible] के उत्थान से बना है। जिस कारण यहाँ तटों पर कार्स्ट स्थलाकृति देखने को मिलती है। इसके दक्षिणी भाग की ऊँचाई सबसे अधिक है।

(iii) खाड़ी तटीय मैदान → यह तटीय मैदान का सबसे विस्तृत भाग है। इसके उत्तर में मिसीसिपी नदी का जलोढ़ मैदान व द० में विस्तृत डेल्टा है।

(iv) यूकाटन निम्न भूमि → मैक्सिको स्थित यूकाटन प्रायद्वीप का यह काफी विस्तृत उपजाऊ मैदान है। यहाँ भी फ्लोरिडा प्रायद्वीप की तरह ही कार्स्ट स्थलाकृति पायी जाती है।

पीडमॉण्ट व तटीय पठार →

लगभग तटीय मैदान के समानान्तर कई उच्च भूमि तथा उनके बीच निम्न भूमि पायी जाती है। अटलांटिक तटीय मैदान के प० में एक पठारी भाग है जो अलाबामा से न्यू इंगलैंड तक विस्तृत है। समुद्र की ओर इसका ढाल 300 m. है। अप्लेशियन के तलहटी में स्थित होने के कारण इसे पीडमॉण्ट पठार कहते हैं। इसी के उ० प० विस्तार को न्यू इंगलैंड पठार कहते हैं। लैब्राडोर पठार का ढाल अपेक्षाकृत अधिक है। इसकी सतह ऊबड़ खाबड़ है जहाँ घाटियाँ, पहाड़ियाँ व टीले पाये जाते हैं। पूर्वी किनारा अत्यधिक कटा फटा व समुद्र में संलग्न है।

अप्लेशियन पर्वत →

N. A के पूर्वी भाग में उत्तर से दक्षिण अटलांटिक महासागर के समानान्तर अप्लेशियन पर्वत या अटलांटिक पर्वत श्रेणी फैला है। यह पर्वत 160 Km लम्बी तथा 80-200 Km. चौड़ाई में फैली है। यह उत्तर पूर्व में U.S.A के पेन्सिलवानिया व न्यूजर्सी राज्य तथा द० प० में अलाबामा व जॉर्जिया तक श्रृंखलाबद्ध विस्तृत है।

Scanned with CamScanner

ये पर्वत अनाच्छादन के कारण अत्यधिक घिस गये हैं। इसकी अधिकतम ऊँचाई 2037m. है। इस पर्वत का सबसे चौड़ा व विस्तृत भाग U.S.A के उत्तरी कैरोलिना व टेनेसी राज्यों में फैला है। अप्लेशियन पर्वत को दो भागों में बाँटा गया है:- (1) उत्तरी अप्लेशियन व (2) दक्षिणी अप्लेशियन

(1) उत्तरी अप्लेशियन →

न्यूयार्क के उ० पूर्वी भाग व न्यू इंगलैंड में एक ऊबड़ खाबड़ भू भाग जिसका विस्तार कनाडा तक है। इसके सीमान्त पर सेंट लारेंस नदी है। इसके उत्तर में नोट्रडम पर्वत है। जिसकी ऊँचाई 1200m. है। न्यू इंगलैंड की संरचना काफी जटिल व धरातल कटा फटा है। ग्रीन व व्हाइट पर्वत इसी भाग में है जिसके मध्य कन्कटीकट अन्श घाटी है।

(2) दक्षिणी अप्लेशियन →

यह उत्तर में हडसन नदी से लेकर दक्षिण में अलाबामा तक है। यहाँ पूर्व से प० की ओर पीडमॉण्ट, ब्लू रिज, कटक तथा अप्लेशियन पठार स्थित है। पीडमॉण्ट की चौड़ाई 16 – 200 Km तक है जिसकी पूर्वी सीमा प्रपात रेखा बनाती है। जो एक भ्रंश रेखा है तथा पीडमॉण्ट की कठोर चट्टानों को तटीय चट्टान की कोमल चट्टानों से अलग करता है। ब्लू रिज का विस्तार द० पेंसिलवानिया से उ० पूर्वी जार्जिया तक है। इसकी चौड़ाई 8 – 80 Km है। यहीं पर ग्रेट स्मोकी पर्वत है। माउंट मिचेल अप्लेशियन की सबसे ऊँची चोटी है। ब्लू रिज के प० में कटक व घाटी प्रदेश है। सबसे बड़ी घाटी ग्रेट valley है। इसका पश्चिमी विस्तार अप्लेशियन पठार है। यह उत्तर में मोहाक gap से लेकर द० में टेनेसी गॉर्ज तक है। इस पठार के पूर्व में अलेघनी पठार व कम्बरलैंड पठार स्थित है।

Scanned with CamScanner

3. कनाडियन शील्ड →

यह N.A. का सबसे प्राचीनतम भूभाग है। इसमें हिमयुग तक हिमानीकरण के कारण इसकी ऊँचाई घटकर 600m. रह गयी है। इसके ~~पं.~~ पं. में रॉकी पर्वत, उत्तर में आर्कटिक के बर्फीले क्षेत्र तथा द. पूर्व में अप्लेशियन पर्वत स्थित है। हिमनद और अपरदन के कारण इसका धरातल समतल है मगर कहीं-कहीं पर अवशिष्ट पहाड़ियाँ हैं। हिमनद के कारण यहाँ असंख्य झीलों का निर्माण हुआ है।

कनाडियन शील्ड का फैलाव एक तश्तरी की तरह है। हडसन की खाड़ी इसके मध्यवर्ती भाग के रूप में है। क्यूबेक के उत्तर में लारेन्शियन के पठार अथवा लारेन्टाइड 500m. ऊँचा है। कनाडियन शील्ड का एक पर्वत वृत्ताकार गुम्बद के रूप में एडिरोंडेक पर्वत है जिसकी सर्वोच्च शिखर मार्सी 1628m. ऊँची है। यहाँ मिट्टी की बहुत पतली परत मिलती है।

4. वृहत मैदान →

N.A के आन्तरिक भाग में स्थित मैदान को महाद्वीपीय बेसिन के नाम से भी जाना जाता है। इसके उत्तर में ग्रेट बेरियर झील, द. में पीकास व रायोग्रान्डे नदी, पूर्व में अपलेशियन तथा प. में रॉकी पर्वत स्थित है। भूगोलवेत्ताओं ने इसे पठार माना है जो समुद्र तल से बहुत कम ऊँचा है। यह मैदान N.A का 3/5 भाग घेरता है। उत्तर से दक्षिण इसकी लम्बाई 3200 Km है। इसे 3 भागों में बाँटते हैं :- (i) गल्फ का मैदान (ii) प्रेयरी मैदान (iii) झीलों का मैदान।

मैक्सिको की खाड़ी के उत्तर में मिसीसिपी व उसकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित ~~मैदान~~ गल्फ मैदान 80 – 160 Km चौड़ा है।

Scanned with CamScanner

इसका विस्तार अल्बर्टा की उच्च भूमि, अप्लेशियन का दक्षिणी प्रदेश तथा मिसीसिपी के प० तक है। इसके उत्तर में प्रेयरी मैदान स्थित है। प्रेयरी का विस्तार कनाडा के अल्बर्टा, सस्केचवान तथा मैनीटोबा राज्यों तक है। उत्तर की ओर इन मैदानों में हिमनद के कारण निर्मित अनेक छोटी व झीलें पायी जाती है। उत्तरी वृहत मैदान टुण्ड्रा के समुद्री किनारे पर समाप्त होते हैं जहाँ इन्हें उप आर्कटिक वन मैदान भी कहते हैं। पूर्व की ओर सेंट लारेंस तथा महान ~~नदी~~ झीलों से निर्मित मैदान को झील प्रदेश का मैदान कहते हैं।

5. कार्डिलेरा →

नवीन मोड़दार पर्वतों वाला यह भू-भाग N.A के पश्चिम में अलास्का से लेकर द० मध्यवर्ती मैक्सिको तक फैला है। इसी कारण इसे पश्चिमी ~~कार्डि~~ कार्डिलेरा कहते हैं। यह N.A के 1/3 भाग को घेरता है। इसकी सर्वाधिक चौड़ाई 1600 Km तक है। इसके अन्तर्गत तटीय श्रेणियाँ, सियरा नेवादा, कास्केड पर्वत समूह, रॉकी पर्वतमाला, आन्तरिक पठार व घाटियाँ सम्मिलित हैं। इन्हें प्रशान्त कार्डिलेरा भी कहा जाता है। यहाँ ज्वालामुखी भी मिलते हैं। इसकी सामान्य ऊँचाई 1800 m. है जबकि प्रमुख चोटियाँ 3000-3700 m. तक ऊँची हैं।

कार्डिलेरा के अन्तर्गत दो पर्वतीय पेटियाँ हैं! ① बाह्य पेटी तथा ② आन्तरिक पेटी → रॉकी पर्वत का उत्तरी व दक्षिणी विस्तार आन्तरिक पर्वतीय पेटी में आते हैं। यह पेटी उत्तर में अलास्का के ब्रुक्स रेंज से ~~आरम्भ होकर~~ प्रारंभ होता है। इसके उत्तरी भाग को उत्तरी रॉकी कहते हैं जिसमें कनेडियन रॉकी व फ्रेंकलिन पर्वत हैं। मध्यवर्ती व दक्षिणी रॉकी के मध्य व्योमिंग द्रोणी है। मैक्सिको का पूर्वी सियेरा माद्रे पर्वत रॉकी का ही दक्षिणी विस्तार है।

Scanned with CamScanner

बाह्य पर्वतीय पेटी → यह प्रशान्त तट तक चली गयी है। U.S.A के पूर्वी श्रेणियों को सियेरा नेवादा तथा कॉस्केड ए प.श्रेणीयों को तटीय श्रेणियाँ कहा जाता है। अलास्का का माउण्ट मैकिन्ले (6194 m.) N.A की सर्वोच्च चोटी है। कॉस्केड ज्वालामुखी क्रिया से निर्मित है।

आन्तरिक ए बाह्य पर्वत के बीच अंत: पर्वतीय पठार एवंबेसिन स्थित हैं। जिनमें अलास्का पठार, कनाडा पठार, कोलंबिया पठार, कोलोरैडो पठार, एरीजोना पठार, मैक्सिको पठार आदि प्रमुख है। ग्रेट बेसिन अपनी आंतरिक विशेषता के कारण प्रसिद्ध है। इस प्रदेश की समस्त नदियाँ आन्तरिक भाग की ओर प्रवाहित होती हैं कोई समुद्र में नहीं गिरती। मृत घाटी इसके दक्षिणी भाग में स्थित है।

6. एन्टीलियन पर्वत →

कार्डिलेरा या रॉकी पर्वत श्रेणियों के दक्षिण तथा एण्डिज पर्वत के उत्तर दोनों ही महान पर्वत श्रेणियों के मध्यवर्ती भाग में संयोजक प्रदेश के रूप में मध्य अमेरिका तथा वेस्ट इंडीज पर्वत स्थित हैं जिन्हें एन्टीलियन या कैरिबियन प्रदेश कहते हैं। इसका अधिकांश भाग जलमग्न है सिर्फ कुछ चोटियाँ दिखाई देती है। यहाँ कई ज्वालामुखी पर्वत भी हैं। यहाँ ज्वालामुखी की दो पेटियाँ हैं जिनमें एक मध्यवर्ती अमेरिका तथा मैक्सिको का प्रशान्त तट तथा दूसरा लेसर एण्टीलीज के अनेक ज्वालामुखी द्वीप मिलते हैं। मैक्सिको के ज्वालामुखी पठार के पूर्व चायपास उच्च भूमि है। वेस्ट इण्डीज के द्वीप मध्य में ऊँचे ए पर्वतीय हैं।

Scanned with CamScanner